RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित होता दैनिक

संपादक : श्री मनोजकुमार चंपकलाल शाह

रजी.ओफिस : टी.एफ-०१,नानकराम सूपर मार्केट,रामनगर,साबरमती,अहमदाबाद- ३८० ००५.गुजरात,भारत.

फोन /फेक्स : (०७९) २७५७ ३३०७, ९०१६३ ३३३०७ (मो) ९३२८३ ३३३०७, ९८२५३ ३३३०७, Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Website : www.garvigujarat.co.in

वर्ष : 08 | अंक : 274 | दि. 04-02-2019 सोमवार | वि.सं. 2075 | पोष वद -१५ | पाना : 04 | किंमत : 00.50 पैसा

मोदी रविवार को जम्मू-कश्मीर की शीतकालीन राजधानी जम्मू पहुंचे

पाक में हमारे भाइयों के साथ अत्याचार होगा, तो देश उनके साथ खड़ा है : मोदी

पाकिस्तान-बांग्लादेश जैसे देशों में हमारे लाखों भाई-बहन हैं जिनके साथ अत्याचार हुआ, इसीलिए हम नागरिकता कानून लाए हैं : नरेन्द्र मोदी

(संपूर्ण समाचार सेवा) जम्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को जम्मू-कश्मीर की शीतकालीन राजधानी जम्मू पहुंचे । यहां उन्होंने ६ हजार करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया । यहां जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कई बड़े मुद्दों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहले की कांग्रेस सरकारों का अगर करतारपुर पर ध्यान गया होता गुरुनानक देव की भूमि हमारे भारत का हिस्सा होती । प्रधानमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान-बांग्लादेश जैसे देशों में हमारे लाखों भाई-बहन हैं जिनके साथ अत्याचार हुआ, इसीलिए हम नागरिकता (संशोधन) कानून लाए हैं जिसके जरिए यह देश उनके साथ खड़ा रहेगा। कश्मीरी पंडितों का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, आज इस मौके पर मैं बहुत ही भावनात्मक विषय पर बात करूंगा । यह विषय है कश्मीरी पंडितों का । हम इनके अधिकार, सम्मान और गौरव के लिए समर्पित हैं । हिंसा और आतंकवाद के दौर में उनके साथ जो हुआ, वह भारत कभी नहीं भूलेगा। मैं हर मौके पर कहता नहीं, मगर यह पीड़ा हमेशा मन में रहती है। मुझे संतोष है कि श्रीनगर में जब मैं पहुंचूंगा तो बांदीपोरा और गांदरबल में ट्रांजिट अकोमोडेशन की योजना का शिलान्यास होने जा रहा है। हमने जिन ३००० पदों पर कश्मीरी पंडितों को नियुक्त करने का वादा किया, उस पर भी काम होगा । केंद्र के जिस नागरिकता (संशोधन) का असम, पश्चिम बंगाल और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में विरोध हो रहा है । उस पर प्रधानमंत्री ने कहा, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश में हमारे लाखों भाई-बहन हैं जिनके साथ अत्याचार हुआ । इसीलिए हम नागरिकता (संशोधन) कानून लाए, इसके जरिए हम उनके साथ खड़े रहेंगे जो कभी भारत का हिस्सा थे, मगर १९४७ के बाद हमसे अलग हो गए । अगर उनका आस्था के नाम पर शोषण होता है तो भारत उनके साथ खड़ा रहेगा । प्रधानमंत्री ने राज्य में अपने पूर्व सहयोगी दल पीडीपी का नाम लिए बिना हमला बोला। उन्होंने कहा, गठबंधन में यह सब (कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास का काम) संभव नहीं हुआ। गठबंधन में जब हम थे तो पंचायत चुनाव नहीं हो पा रहे थे, मगर जब हमने पंचायत चुनाव कराए तो ७० फीसदी मतदान हुआ । एक भी आतंकी घटना नहीं हुई। लोकतंत्र को सशक्त करने के लिए और जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए केंद्र सरकार की ओर से कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी । पीएम मोदी ने दो दिन पहले पेश हुए अंतरिम बजट का जिक्र करते हुए कहा, दो दिन पहले जो बजट पेश हुआ है उसने सबका साथ-सबका विकास के हमारे संकल्प को मजबूत किया है। यह बजट दलित, आदिवासी, युवा, किसान, बुजुर्ग, मध्यम वर्ग का बजट है। देश के १२ करोड़ से अधिक किसान परिवारों को अब हर वर्ष छह हजार रुपये सीधे बैंक खाते में भेजे जाएंगे । उन्होंने कहा, जब मोदी ने बैंक खाते खुलवाए थे, तब सबने इसका मजाक उड़ाया था। अब पता चलेगा कि जनधन अकाउंट का क्या उपयोग होगा । तीन-तीन किस्तों में ये पैसा किसानों के अकाउंट में भेजा जाएगा । प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत ७५ हजार करोड़ रुपये किसानों के खाते में सीधे पहुंचेंगे, कोई बिचौलिया नहीं और कोई दलाल नहीं । प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, यहां पर आईआईटी की बिल्डिंग का काम पूरा हो गया है और आईआईएम बनने का काम शुरू होने जा रहा है। हमारी सरकार ने ही सामान्य वर्ग के गरीब युवा नौजवानों को १० फीसदी आरक्षण देने का काम किया है। जम्मू के युवाओं को भी इससे लाभ होगा । उन्होंने कहा कि चेनाब नदी के ऊपर बन रहे सजवाल पुल से सजवाल और इंद्रीपट्टन की दूरी ५० किमी की दूरी ५ किमी रह जाएगी। पीएम मोदी ने कांग्रेस की ओर से आगामी लोकसभा चुनाव में उछाले गए किसान कर्जमाफी के मुद्दे पर भी हमला बोला । उन्होंने कहा, रिमोट कंट्रोल वाली यूपीए सरकार ने आज से १० साल पहले २००८-०९ में किसानों की कर्जमाफी का ऐलान किया था। देश के किसानों पर उस समय ६ लाख करोड़ रुपये कर्ज था। चुनाव जीते, मगर किया क्या ? ६ लाख करोड़ का कर्ज था, मगर माफ किया सिर्फ ५२ हजार करोड़ रुपये। देश के किसानों के साथ धोखा किया। सीएजी ने भी जब जांच की तो पता चला कि ३०-३५ लाख लोग कर्जमाफी के हकदार ही नहीं थे। आखिर वह कौन सा पंजा था, जो खजाना खाली कर गया । पीएम मोदी ने कहा,यह देश नामदारों का ट्रैक रेकॉर्ड जानता है। सब जानते हैं कि कांग्रेस की किसान कर्जमाफी का लाभ लेने वाले ये ३०-३५ लाख लोग कौन थे। अब १० साल बाद फिर उन्हें किसान कर्जमाफी की याद आई है। हर चुनाव में इन्हें किसानों की कर्जमाफी की याद आती है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस सरकार ने १३ रुपये तक कर्जमाफी की है । इन लोगों का काम किसानों के नाम पर सिर्फ बिचौलियों की जेब भरना है । कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा, ये लोग पूरी ईमानदारी से भी कभी कर्जमाफी की सोचें तो बमुश्किल १०० में से ३० लोगों का कर्जमाफ होगा ।

साढ़े तीन रुपये दिए और पांच मिनट बजवाई तालिया

किसानों के साथ प्रधानमंत्री मोदी का मजाक : राहुल गांधी

केंद्र में सरकार आई तो हिंदुस्तान के हर एक गरीब व्यक्ति को मिनिमम आय की गारंटी दी जाएगी : राहुल

(संपूर्ण समाचार सेवा) पटना, बिहार के पटना स्थित गांधी मैदान में आयोजित जन आंकाक्षा रैली में राहुल गांधी ने ऐतिहासिक घोषणा की है। राहुल ने कहा है कि केंद्र में उनकी सरकार आई तो हिंदुस्तान के हर एक गरीब व्यक्तिको मिनिमम आय की गारंटी दी जाएगी। हर किसी के बैंक अकाउंट में फिक्स अमाउंट डाला जाएगा। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने किसानों के साथ मजाक किया है और किसान के परिवार के एक सदस्य को साढ़े तीन रुपये देने की घोषणा की है लेकिन कांग्रेस ऐसा नहीं करेगी। कांग्रेस सरकार हर एक व्यक्ति की न्यूनतम आय की गारंटी लेगी। राहुल ने कहा कि ससंद में बजट में बड़ी घोषणा की बात कही गई । ऐतिहासिक निर्णय बताते हुए पांच मिनट तक ताली बजाई। कहा गया कि किसानों के लिए ऐतिहासिक काम किया। हिंदुस्तान के किसानों को सत्रह रुपये दिन के दिए जाते हैं और फिर धड़ाधड़-धड़ाधड़ ताली बजाई जाती हैं । अनिल अंबानी को तीस हजार करोड़ रुपये, नीरव मोदी को पैंतीस हजार करोड़, मेहुल चौकसी को तीस हजार करोड़ और विजय माल्या को दस हजार करोड़ रुपये देते हो किसान के परिवार को साढ़े तीन रुपये देकर तालियां बजाते हो। यह किसानों के साथ मजाक है। राहुल गांधी ने कहा कि आठ बजे रात को मोदीजी टीवी पर आते हैं कहते हैं भाइयों और बहनों पांच सौ और हजार का नोट नहीं चलेगा मुझे तो दो हजार का नोट चाहिए। काले को सफेद करना है। आपको लाइन में खड़ा किया, किसान और महिलाओं को लाइन में खड़ा किया गरीब जनता की जेब से रुपये निकाले और धनकुबेरों को दे दिए। राहुल ने कहा दुनिया का सबसे बड़ा घोटाला नोटबंदी है। राहुल ने कहा कि उन्होंने उत्तर प्रदेश में भी कह दिया है कि कांग्रेस बैकफुट नहीं फ्रंटफुट पर खेलने वाली है। कांग्रेस आने वाले समय में छक्का मारेगी । राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी ने सत्ता में आने से पहले वादा किया था कि हर व्यक्ति के अकाउंट में पंद्रह लाख रुपये आएंगे। ऐसा कुछ नहीं हुआ। पंद्रह लाख रुपये की जगह किसानों के परिवार को सत्रह रुपये दिए । राहुल गांधी ने कहा कि मोदी कभी फ्रांस जाते हैं, अमेरिका जाते हैं, अफ्रीका जाते हैं। पहले वह कहते थे कि अच्छे दिन.... तो जनता कहती थी आएंगे। अब नारा बदल गया है। राहुल ने चौकीदार....चोर है के नारे लगवाए।

रैली को कैंसल कर दिया गया

ममता सरकार ने रोका यूपी सीएम योगी का हेलिकॉप्टर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पश्चिम बंगाल के बालुरघाट में एक रैली को संबोधित करने वाले थे

(संपूर्ण समाचार सेवा) कोलकाता, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पश्चिम बंगाल के बालुरघाट में एक रैली के लिए जाने वाले थे । सीएम ऑफिस ने अब जानकारी दी है कि रैली के लिए इजाजत नहीं दी गई है । सीएम ऑफिस ने बताया है कि पश्चिम बंगाल ने बिना कोई नोटिस दिए रैली की इजाजत खारिज कर दी है। इसे लेकर एक बार फिर तनातनी की स्थिति पैदा हो गई है। स्थानीय बीजेपी कार्यकर्ताओं ने रैली रद्द करने पर विरोध भी शुरू कर दिया है। इस बीच योगी आदित्यनाथ ने रैली को फोन से संबोधित किया।

गौरतलब है कि बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह की भी मालदा में रैली से पहले इजाजत को लेकर विवाद हो गया था। सीएम के सूचना सलाहकार मृत्युंजय कुमार ने योगी की रैली को लेकर ममता सरकार को निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा, यह यूपी सीएम की लोकप्रियता का असर है कि ममता बनर्जी ने हेलिकॉप्टर लैंड कराने की इजाजत ही नहीं दी। पश्चिम बंगाल के बीजेपी नेता मुकुल रॉय ने भी इस पर नाराजगी जताई है । उन्होंने कहा, वहां एक रेग्युलर एयरपोर्ट है। वहां हेलिकॉप्टर को लैंड करने की इजाजत देने में क्या परेशानी है पश्चिम बंगाल सरकार का यह गैरलोकतांत्रिक कदम है । बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव और पश्चिम बंगाल बीजेपी प्रदेश के प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय ने सीएम योगी की सभा के लिए जिला प्रशासन द्वारा हेलिकॉप्टर लैंडिंग की परमिशन न दिए जाने को लेकर ममता बनर्जी की निंदा की थी। उन्होंने कहा, लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक दल की गतिविधियां रोकने का अधिकार किसी को नहीं है। ममता के इस कृत्य की हम निंदा करते हैं । उन्होंने कहा कि ३ दिन से सभा की अनुमति और हेलिकॉप्टर लैंडिंग की परमिशन मांगी गई थी । सभा की अनुमति तो दे दी गई क्योंकि वह रेल प्रशासन की जमीन थी। उन्होंने आरोप लगाया कि हेलिकॉप्टर लैंडिंग की परमिशन के लिए जिलाधीश का कहना है कि ऊपर से प्रेशर है । गौरतलब है कि कुछ दिन पहले बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह भी पश्चिम बंगाल में रैली करने जाने वाले थे। उन्होंने राज्य सरकार पर आरोप लगाया था कि उनका हेलिकॉप्टर लैंडिंग कराने की परमिशन नहीं दी गई । हालाकि, ममता ने कहा था कि हेलिकॉप्टर की इजाजत दी जा चुकी थी लेकिन सुरक्षा को लेकर मुद्दा था । उन्होंने आरोप लगाया था कि बीजेपी लोगों को गलत जानकारी को जोड़-तोड़ कर लोगों को गुमराह कर रही है। विवाद के बाद शाह ने मामला में रैली की थी।

अयोध्या राम मंदिर के मुद्दे पर बोले अमित शाह

गैर-विवादित जमीन लौटाने के फैसले में सब करें सहयोग

देश में हमने दीर्घकालीन विकास की नींव रखी है : शाह

(संपूर्ण समाचार सेवा) नई दिल्ली, आम चुनावों से ठीक पहले एक बार फिर राम मंदिर का मुद्दा गर्म हो रहा है । अयोध्या में विवादित जमीन पर चल रहे विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने गैर-विवादित भूमि लौटाने के लिए अर्जी दी है। बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह ने भारत के मन की बात कार्यक्रम में एक बार फिर इस मुद्दे को उठाया और कहा कि सरकार गैर-विवादित जमीन उसके मूल मालिकों को लौटाकर राम मंदिर निर्माण की दिशा में अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दिखाई। बीजेपी अध्यक्ष ने दूसरे दलों से भी सहयोग की मांग की है। उन्होंने कहा, कोर्ट के अंदर लंबी बहस होने वाली है और केस चल रहा है। १९९३ में जो जमीन को अधिगृहित किया गया, बीजेपी सरकार ने उसे राम जन्मभूमि न्यास को वापस लौटाने का फैसला किया है। यह एक ऐतिहासिक कदम है और मैं विपक्षी पार्टियों से भी कहना चाहता हूं कि केस में रोड़ा न डालें। भारत के मन की बात कार्यक्रम में बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह के साथ गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने भी हिस्सा लिया । शाह ने कहा कि मोदी सरकार अपने मन के हिसाब से देश को नहीं चलाती है । हम जनता की राय लेकर उनके मन में क्या इच्छा है, यह जानने की कोशिश करते हैं । शाह ने अपनी सरकार की विकास नीतियों पर कहा कि देश में हमने दीर्घकालीन विकास की नींव रखी है। कार्यक्रम में गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आंतरिक सुरक्षा मजबूतकरने और आतंकवाद को खत्म करना हमारा संकल्प है । सिंह ने कहा, देश में पहली बार कोई राजनीतिक दल अपना संकल्प पत्र बनाने के लिए इतने बड़े स्तर पर जनसंपर्क करने जा रहा है । राष्ट्विरोधी ताकतों के खिलाफ हमारी सरकार ने कठोर कदम उठाए हैं । देश में शांति और सुरक्षा का वातावरण बना है । आतंकवादी घटनाएं पिछले दो दशकों की तुलना में आज न्यूनतम स्तर पर हैं ।

आज शिलान्यास किया, लोकार्पण मैं ही करूंगा : मोदी

लेह एयरपोर्ट के नए टर्मिनस का मोदी ने शिलान्यास किया

२२० केवी की ट्रांसमिशन लाइन का उद्घाटन किया, जिससे इस बेहद ठंडे इलाके के हर घर में बिजली पहुंचेगी

(संपूर्ण समाचार सेवा) लेह, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को जम्मू-कश्मीर के लेह पहुंचे। राज्य में राज्यपाल शासन लगने के बाद प्रधानमंत्री की यह पहली यात्रा है । पीएम मोदी ने लेह एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिग का शिलान्यास किया। शिलान्यास करते हुए पीएम ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों से यह भी कहा कि शिलान्यास मैंने किया है, आपका आशीर्वाद मिला तो लोकार्पण करने भी मैं ही आऊंगा । मोदी का सीधा इशारा २०१९ का लोकसभा चुनाव जीतने की ओर था । पीएम मोदी ने कहा, तीन दशक पहले इस एयरपोर्ट की जो बिल्डिंग बनाई गई थी, समय के साथ आधुनिकीकरण की ओर ध्यान नहीं दिया गया। आज नई टर्मिनल बिल्डिग का शिलान्यास हुआ है और बहुत जल्द ही लोकार्पण भी किया जाएगा। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं, जिस योजना का शिलान्यास किया था उसका आज लोकार्पण किया है। आज जिसका शिलान्यास (नई टर्मिनल बिल्डिग का) कर रहा हूं, उसका लोकार्पण करने भी मैं ही आऊंगा उन्होंने कहा कि लेह-लद्दाख और करगिल के विकास में केंद्र सरकार कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। पीएम मोदी ने आगे कहा, मैं देश का ऐसा प्रधानमंत्री हूं जो भारत के हर कोने में भटककर आया है । अधिकारियों से बारीकियां जान लेता हूं, लेकिन मुझे अनुभव रहता है । उन्होंने कहा, बिलासपुर-मनाली-लेह रेल लाइन पर सर्वे भी हो चुका है। कई जगह काम शुरू हो गया है। रेल लाइन के बाद लेह और दिल्ली के बीच दूरी बेहद कम हो जाएगी। पीएम मोदी ने कहा, मुझे जानकारी मिली है कि लेह-लद्दाख में ३ लाख टूरिस्ट आए। करीब १ लाख करगिल भी गए। यानी कश्मीर आने वाले कुल पर्यटकों के आधे लेह आए। जल्द ही लेह-लद्दाख और करगिल का इलाका टूरिज़म हब बनकर उभरेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को लेह पहुंचे थे। यहां उन्होंने २२० केवी की ट्रांसमिशन लाइन का उद्घाटन किया, जिससे इस बेहद ठंडे इलाके के हर घर में बिजली पहुंचेगी । नई टर्मिनल बिल्डिग का शिलान्यास हुआ है और बहुत जल्द ही लोकार्पण भी किया जाएगा। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं, जिस योजना का शिलान्यास किया था उसका आज लोकार्पण किया है। आज जिसका शिलान्यास (नई टर्मिनल बिल्डिग का) कर रहा हूं, उसका लोकार्पण करने भी मैं ही आऊंगा उन्होंने कहा कि लेह-लद्दाख और करगिल के विकास में केंद्र सरकार कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। पीएम मोदी ने आगे कहा, मैं देश का ऐसा प्रधानमंत्री हूं जो भारत के हर कोने में भटककर आया है । अधिकारियों से बारीकियां जान लेता हूं, लेकिन मुझे अनुभव रहता है । उन्होंने कहा, बिलासपुर-मनाली-लेह रेल लाइन पर सर्वे भी हो चुका है । इसके अलावा नए टूरिस्ट और ट्रेकिंग रूट का उद्घाटन किया । पीएम ने ४८० करोड़ की लागत से तैयार होने वाली लेह एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिग का भी शिलान्यास किया।

'भारत के मन की बात, मोदी के साथ' अभियान शुरू हुआ

(संपूर्ण समाचार सेवा) नई दिल्ली, भाजपा अध्यक्ष अमित शाह और पार्टी के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने रविवार को भारत के मन की बात, मोदी के साथ अभियान की शुरुआत की। एक महीने तक चलने वाले इस अभियान में पार्टी को उसका संकल्प पत्र तैयार करने में मदद करने के लिए देशभर से १० करोड़ लोगों के सुझाव मांगे जाएंगे। शाह ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य घोषणापत्र तैयार करने की प्रक्रिया का लोकतांत्रीकरण करना है और इस अनूठे प्रयोग से लोकतंत्र मजबूत होगा। शाह ने यहा एक कार्यक्रम में पत्रकारो से कहा, लोग किस तरह का देश चाहते हैं और इसे हासिल करने के लिए उनके क्या सुझाव है, इस अभियान में उनके विचार जानने के लिए उन तक पहुंचा जाएगा। उन्होंने बताया कि इससे पार्टी को नए भारत का सपना साकार करने में मदद मिलेगी।

संपादकिय

हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड की नाकामियों की अनदेखी करना राष्ट्रीय हितों को चोट पहुंचाना है

बेंगलुरु के पास लडाकू विमान मिराज–2000 का दुर्घटनाग्रस्त होना और उसमें वायु सेना के दो अनुभवी पायलटों की मौत हो जाना एक बेहद गंभीर घटना है। आवश्यक केवल यह नहीं है कि इस घटना पर गंभीरता का परिचय दिया जाए, बल्कि यह भी है कि उन कारणों की तह तक सचमुच जाया जाए जिनके चलते देश ने एक लडाकू विमान के साथ अपने दो पायलट भी खो दिए। एक साथ दो पायलटों की मौत इसलिए बडा नुकसान है, क्योंकि लडाकू विमानों के पायलट बेहद गहन प्रशिक्षण के बाद तैयार होते हैं। चूंकि उनके प्रशिक्षण में समय के साथ तमाम संसाधन भी लगते हैं इसलिए परीक्षण उडान के दौरान उनकी मौत राष्ट्रीय क्षति है। निःसंदेह लडाकू विमानों के साथ कछ न कुछ जोखिम रहता है, लेकिन आम तौर पर परीक्षण उडानों के दौरान कोई गडबडी होने पर पायलट खुद को बचा लेते हैं। बेंगलुरु में ऐसा नहीं हो सका। यहां मिराज–2000 लडाकू विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद यदि उसे उन्नत करने वाली हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड यानी एचएएल रक्षा विशेषज्ञों और पूर्व सैन्य अधिकारियों के साथ आम लोगों के निशाने पर आ गई है तो यह स्वाभाविक है। अगर यह माना जा रहा है कि एचएएल की खामी परीक्षण उडान पर निकले पायलटों पर गाज बनकर गिरी तो इसके लिए यह सरकारी कंपनी अपने अलावा अन्य किसी को दोष नहीं दे सकती। ल?ाकू विमानों की मरम्मत करने और उन्हें उन्नत बनाने में एचएएल का रिकार्ड बहुत ही खराब है। यह वही एचएएल है जिसकी तथाकथित उपेक्षा का रोना कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी रोते रहते हैं। क्या राफेल सौदे को विवादास्पद बताने की धुन में एचएएल की कामयाबी और महानता के गुण गा रहे राहुल गांधी मिराज के दुर्घटनाग्रस्त होने पर कुछ बोलेंगे ? क्या उन्हें यह अहसास हो पा रहा है कि वे अपने संकीर्ण राजनीतिक फायदे के लिए जिस एचएएल को एक मोहरा बना रहे हैं उसका कामकाज बेहद दयनीय है ? संकीर्ण राजनीतिक हितों के फेर में एचएएल की नाकामियों की अनदेखी करना राष्ट्रीय हितों को जानबूझकर चोट पहुंचाने के अलावा और कुछ नहीं। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि मिराज हादसे में दो पायलटों के मारे जाने की घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं, क्योंकि इस तरह की तमाम जांच पहले भी हो चुकी है और नतीजा शून्य है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि चंद दिन पहले उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में जो जगुआर विमान नष्ट हुआ था वह भी एचएएल ने उन्नत किया था। एचएएल की ओर से तैयार अथवा उन्नत किए गए विमान जिस तरह हादसे का शिकार होते रहते हैं उसे देखते हुए किसी को इस सवाल का जवाब देना ही होगा कि आखिर इस सरकारी कंपनी के दोयम दर्जे के कामकाज की अनदेखी कब तक की जाती रहेगी ? यह अपेक्षाओं पर खरा न उतर पाने वाली सरकारी कंपनियों के बेजा बचाव की प्रवृत्ति का ही परिणाम है कि रक्षा सामग्री के उत्पादन के मामले में भारत का प्रदर्शन बहुत ही गया–बीता है। अब जब रक्षा विशेषज्ञों के साथ वायु सेना प्रमुख भी एचएएल के कामकाज से संतुष्ट नहीं तब फिर यह जरूरी है कि नीति–नियंता चेत जाएं।

सच और झूठ के बीच कोई तीसरी चीज नही

(जी.एन.एस.) जैसे ही यह खबर आई कि गुरमीत राम रहीम सिंह को रामचंद्र छत्रपति की हत्या के 16 साल पुराने केस में कोर्ट ने दोषी करार दे दिया है, वैसे ही जेहन में 24 अक्टूबर 2002 का वह दिन घूम गया, जब एक पत्रकार दोस्त ने मुझे फोन करके बताया था कि छत्रपति जी को गोली मार दी गई है। पहला खयाल यही था कि जिसका डर था, वही हुआ। दरअसल, यह आशंका खुद रामचंद्र छत्रपति को पहले से थी कि उनकी जान को खतरा है। उन्होंने प्रेस काउंसिल को पत्र लिखकर यह आशंका व्यक्त कर दी थी। पुलिस को भी बता दिया था। हां, डेरे से संबंधित खबरें अपने अखबार में छापनी जारी रखीं। वजह एक ही कि इस शख्स को सच लिखने की धुन सवार थी। वह कहते थे, सच और झूठ के बीच कोई तीसरी चीज नहीं होती और मैं सच के साथ हूं। रामचंद्र छत्रपति का जन्म 19 मार्च 1950 को फिरोजपुर पंजाब के गांव रानीवाला में अपने ननिहाल में हुआ था। पिता का नाम सोहन लाल और माता का नाम करमो बाई। गांव में ही शुरुआती पढ़ाई करने के बाद 1965 में सिरसा के गांव भावदीन आ गए। यहां से मैट्रिक और आर्य स्कूल से हायर सेकेंडरी की पढ़ाई की। 1968 में ग्वालियर से इंटरमीडिएट करने के बाद डीएम कॉलेज हिसार से स्नातक की और कुछ समय तक चंडीगढ़ के डीएवी कॉलेज में लिपिक रहे। इसके बाद गांव लौटकर खेतीबाड़ी शुरू कर दी। आर्य समाज के कई आंदोलनों से जुड़े रहे राम चंद्र छत्रपति ने स्वामी अग्निवेश की प्रेरणा से इंदौर के क्रिश्चियन कॉलेज से 1984 में कानून की पढ़ाई की। 1985 में सिरसा में कुछ वक्त वकालत की और इसी दौरान राष्ट्रीय मुद्दों पर लिखना शुरू कर दिया। 1996 में जेवीजी टाइम्स से उन्होंने बतौर पत्रकार अपनी पारी शुरू की। उसके कुछ वक्त बाद दैनिक हिंदुस्तान के संवाददाता बन गए। सिरसा से एक सान्ध्य अखबार निकलता है समरघोष। इसमें 'प्रतिदिन' के नाम से छत्रपति ने कॉलम लिखना शुरू किया जिससे उन्हें खासी लोकप्रियता मिली। 2 फरवरी 2000 को उन्होंने अपने स्वामित्व में अखबार निकालना शुरू किया। नाम रखा पूरा सच। शहर में लोग रोज शाम पूरा सच का इंतजार करने लगे। जब कभी पत्रकार साथियों का मजमा लगता तो कोई न कोई उनको बोल देता कि इतना भी सच ना लिखा करो कि जान को क्लेश हो जाए। इस पर वह ठहाका लगाते और कहते कि अरे परवाह नहीं,

मार दे कोई गोली। सच का रास्ता तलवार जैसा है, पर मैं तो इसी पर चलूंगा। यह आशंका खुद रामचंद्र छत्रपति को पहले से थी कि उनकी जान को खतरा है। उन्होंने प्रेस काउंसिल को पत्र लिखकर यह आशंका व्यक्त कर दी थी। पुलिस को भी बता दिया था। हां, डेरे से संबंधित खबरें अपने अखबार में छापनी जारी रखीं। वजह एक ही कि इस शख्स को सच लिखने की धुन सवार थी। वह कहते थे, सच और झूठ के बीच कोई तीसरी चीज नहीं होती और मैं सच के साथ हूं। रामचंद्र छत्रपति का जन्म 19 मार्च 1950 को फिरोजपुर पंजाब के गांव रानीवाला में अपने ननिहाल में हुआ था। पिता का नाम सोहन लाल और माता का नाम करमो बाई। उनको गोली लगने की सूचना मिलते ही शहर के पत्रकार और कई तबकों के लोग इकट्ठे हुए। शहर में मौन जुलूस निकालकर रोष जाहिर किया। उनको पहले रोहतक और फिर अपोलो दिल्ली ले जाया गया। गोलियां लगने के बाद उनके हौसले में कोई कमी नहीं आई थी। वहां भी होश में आने के बाद वह बस एक ही बात कहते कि झुकना नहीं है। जब वह अस्पताल में थे तो पूरा सच में उनके हवाले से छपता था कि मैं लौटकर आऊंगा। पिता का नाम सोहन लाल और माता का नाम करमो बाई। गांव में ही शुरुआती पढ़ाई करने के बाद 1965 में सिरसा के गांव भावदीन आ गए। यहां से मैट्रिक और आर्य स्कूल से हायर सेकेंडरी की पढ़ाई की। 1968 में ग्वालियर से इंटरमीडिएट करने के बाद डीएम कॉलेज हिसार से स्नातक की और कुछ समय तक चंडीगढ़ के डीएवी कॉलेज में लिपिक रहे। इसके बाद गांव लौटकर खेतीबाड़ी शुरू कर दी। आर्य समाज के कई आंदोलनों से जुड़े रहे राम चंद्र छत्रपति ने स्वामी अग्निवेश की प्रेरणा से इंदौर के क्रिश्चियन कॉलेज से 1984 में कानून की पढ़ाई की। 1985 में सिरसा में कुछ वक्त वकालत की और इसी दौरान राष्ट्रीय मुद्दों पर लिखना शुरू कर दिया। 1996 में जेवीजी टाइम्स से उन्होंने बतौर पत्रकार अपनी पारी शुरू की। उसके कुछ वक्त बाद दैनिक हिंदुस्तान के संवाददाता बन गए। सिरसा से एक सान्ध्य अखबार निकलता है समरघोष। इसमें 'प्रतिदिन' के नाम से छत्रपति ने कॉलम लिखना शुरू किया जिससे उन्हें खासी लोकप्रियता मिली। 2 फरवरी 2000 को उन्होंने अपने स्वामित्व में अखबार निकालना शुरू किया। नाम रखा पूरा सच। शहर में लोग रोज शाम पूरा सच का इंतजार करने लगे। जब कभी पत्रकार साथियों का मजमा लगता तो कोई न कोई उनको बोल देता कि इतना भी सच ना लिखा करो कि जान को क्लेश हो जाए। इस पर वह ठहाका लगाते और कहते कि अरे परवाह नहीं, मार दे कोई गोली। सच का रास्ता तलवार जैसा है, पर मैं तो इसी पर चलूंगा। कुछ दिन बाद पता चला कि उनकी हालत सुधर रही है, लेकिन 21 नवंबर को अचानक उनके दम तोड़ देने की खबर आई। उनका पार्थिव शरीर लेकर जब दिल्ली से उनके परिचित सिरसा के लिए चले, तभी से लोग उनके आवास पर जुटने लगे। उनकी अंतिम यात्रा पूरे शहर से होकर गुजरी। इसमें जनसैलाब उमड़ा। उसके बाद लोकल पत्रकारों ने इस हत्याकांड के खिलाफ आवाज बुलंद की। उनके बेटे अंशुल छत्रपति और अन्य परिचितों और दोस्तों ने 16 साल वह लड़ाई लड़ी जिसके लिए सालभर पहले तक लोग कहते थे कि इतने शक्तिशाली लोगों से कैसे यह लड़ाई जीत सकेंगे। लेकिन अब खयाल आता है कि पीछे न हटने की जिस धुन के साथ उस शख्स ने यह लड़ाई छेड़ी थी, उसी धुन ने राम रहीम के साम्राज्य को खाक कर दिया। छत्रपति जिद्दी बहुत थे। धुन के पक्के। 1990 में दड़बाकलां से मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के खिलाफ चुनाव में खड़े हो गए। एकला चलो रे की लीक पर। कोई साथ दे न दे, अपने स्कूटर पर दो मीटर लंबा डंडा और उस पर हरा झंडा लगाकर वह सड़कों पर निकल पड़ते। शहर में चर्चा होती रहती। पर बेपरवाह छत्रपति ने वही किया जो उनको सही लगा। यही धुन 2 फरवरी 2000 को जब उन्होंने अपना अखबार 'पूरा सच' निकाला, तब दिखी। ऐसी खबरें छापते कि बाकी पत्रकार कह उठते कि आपने तो सब लिख डाला। तब वह कहते कि सच कहना है तो पूरा सच ही कहो, आधा अधूरा क्यों। उनके स्वभाव में इतना खरापन था कि पत्रकारों की गलतियों तक पर वह कलम चला देते थे। साथी नाराज हो जाते, पर छत्रपति ने अपना स्वभाव नहीं छोड़ा। डेरा प्रमुख के खिलाफ बेनामी चिट्ठी जब आई, तो उन्होंने उसे छापकर ही दम लिया। अपने टैबलॉइड के चौथे और आखिरी पन्ने पर उनका कॉलम छपता 'ऑफ द रेकॉर्ड'। सत्यवादी के नाम से वह इसमें अंदर की बात छाप देते थे और कहते थे कि अंदर कुछ नहीं रहना चाहिए। बाहर आना ही चाहिए। आज जब राम रहीम सिंह का हिला हुआ साम्राज्य देखता हूं, तो लगता है कि अकेला चना भी भाड़ फोड़ सकता है।

किसानों के बीच एक जंग छिड़ी

(जी.एन.एस.)वेस्टर्न यूपी में खेतों और सड़कों पर घूमते आवारा पशुओं और अपनी फसल को बचाने में लगे किसानों के बीच एक जंग छिड़ी हुई है। राज्य में जो सरकार किसानों ने चुनी है वह आवारा पशुओं का बचाव और किसानों पर कार्रवाई कर रही है। रबी की तबाह होती फसल को बचाने के लिए जाड़े की रात में पहरा देते एक किसान ने खीझकर कह ही दिया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सुबह गाय को गुड़ खिलाते हुए फोटो छपवाते हैं और समझते हैं कि प्रदेश की सारी गाएं गुड़ खा रही हैं। अगर उन्हें और मोदी जी को गायों से इतना ही प्रेम है तो इनको अपने बंगले में क्यों नहीं रख लेते। सचाई यह है कि यह समस्या गायों और खेती से ज्यादा उदारता और कट्टरता के बीच छिड़ी जंग से जुड़ी है। अभी देश में उदारता को बाड़े में कैद करके रख दिया गया है जबकि कट्टरता छुट्टा आवारा पशुओं की तरह भारतीयता और भाईचारे की हरी–भरी विरासत को चरती और रौंदती घूम रही है। जो लोग सोचते थे कि कट्टरता सिर्फ सामाजिक ताने–बाने को खराब करती है और अर्थव्यवस्था को लाभ पहुंचाती है, उन्हें समझ में आ गया होगा कि वह दोनों को तबाह करती है। यही बात जब रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कही थी तो सत्ता में बैठे मौजूदा लोग तमतमा गए थे। लेकिन बात की सत्यता आज शहर से लेकर गांव तक प्रमाणित हो रही है। यहां तक कि स्वयं बीजेपी के सांसद भी संसद से सड़क तक गुहार लगा रहे हैं। स्वामी दयानंद सरस्वती और बाद में महात्मा गांधी ने जिस गोरक्षा की बात की थी, उसका रिश्ता धार्मिक आस्था के साथ–साथ अर्थव्यवस्था से भी जुड़ा था। आर्य समाज की गोरक्षिणी सभाओं में हिंदुओं के साथ मुसलमान भी होते थे। वजह साफ थी कि कृषि अर्थव्यवस्था से हिंदू–मुस्लिम सबके हित जुड़े थे। गांधी को इस बात का अहसास था कि गोरक्षा का यह अभियान अगर गैर हिंदुओं के प्रति नफरत और हिंसा की भावना से चलाया जाएगा तो वह बुरे परिणाम देगा और इसका जिम्मा अगर अकेले कृषक परिवार पर छोड़ दिया जाएगा तो भी उसके नतीजे अच्छे नहीं होंगे। गांधी ने स्पष्ट कहा था कि गोरक्षा हिंदुओं का धर्म है लेकिन अ–हिंदू के विरुद्ध बल प्रयोग करके गाय की रक्षा करना हिंदू का धर्म कदापि नहीं हो सकता। उनका कहना था कि किसान पशु को हमेशा अपने घर में नहीं रख सकता। इससे बीमारी फैलती है और इसके साथ आने वाला आर्थिक बोझ वह सहन नहीं कर पाएगा। इसलिए पशुपालन को लेकर वैज्ञानिक दृष्टि अपनानी चाहिए। गांधी पशुओं की प्रजनन क्षमता को नियंत्रित करने के लिए दूसरे देशों की तकनीक अपनाने का भी सुझाव देते थे। उनका मानना था कि पशुपालन के व्यक्तिशः प्रयास ने स्वार्थ और अमानुषिकता को बढ़ावा दिया है, इसलिए सामूहिक पशुपालन किया जाना चाहिए। सहकारी खेती इसका एक तरीका हो सकता है। इजराइली इतिहासकार युवाल नोआ हरारी कहते हैं कि आज जब खेती और पशुधन से ज्यादा उद्योग, और उनसे भी ज्यादा बड़ी संपत्ति आंकड़े (डाटा) बन कर उभरे हैं, तब गोरक्षा और गोवंश को संभालने के लिए किसी कट्टर नजरिए की बजाय उदार नजरिए ही काम का साबित होगा। आज से चालीस साल पहले बैल किसान की शान हुआ करते थे। आज ज्यादातर किसानों के हाथ में बैल का पगहा नहीं है। उनके बेटों के एक हाथ में ट्रैक्टर की स्टीयरिंग या मोटर साइकिल का हैंडल दूसरे में मोबाइल होता है। ऐसे में गोरक्षा के मायने बदल चुके हैं।

जो लोग समझते हैं कि कट्टरता के आवारा पशु सिर्फ देहात और खेतों में विचरण कर रहे हैं वे भूल कर रहे हैं। कट्टरता के ये 'आवारा पशु' अलीगढ़, हाथरस और बुलंदशहर में ही नहीं, पंजाब के फगवाड़ा शहर में स्थित एक प्राइवेट प्रफेशनल यूनिवर्सिटी में भी विचरण करते मिल जाएंगे। यह केवल संयोग नहीं है

तकनीक और पारंपरिक ज्ञान

(जी.एन.एस.) इसे तकनीक और पारंपरिक ज्ञान की जंग भी कहा जा सकता है कि गांव की अनपड भल्लोबाई के हाथों आज तक एक भी मौत नहीं हुई और उसी की बहू शासकीय चिकित्सालय में मर गई। पूरा पड़रिया गाँव अभी तक सकते में है और सभी के मन में एक ही चीज है और वह यह कि जचगी करायेंगे तो घर में ही क्योंकि शासकीय चिकित्सा लयों में देखभाल नहीं होती, दुत्कारे जाते हैं और मार डाले जाते हैं । अनिता दो दिन तडपती रही, चिकित्सक एक झटके के लिये आये ओर आंग्ल भाषा के चिर–परिचित जुमले आइ एम सॉरी कहकर अनिता की आंखें भींच दी। सवाल यहाँ केवल अनिता के मरने का नहीं है बल्कि यहाँ पर आदिम जनजातियों के महिला विकास का एक अध्याय समाप्त हो गया, क्योंकि यदि अनिता जीवित रहती तो वह ना केवल अपने घर के चिरागों को रोशन करती बल्कि स्वसमाज के लिये मिसाल बनकर अन्य महिलाओं के लिये संभावनाओं के द्वार खोलती। परन्तु यह चिराग बुझा दिया गया। यह बहुत ही सीधे अर्थों में राष्ट्रीय मानव की प्रायोजित मौत है और यह दुखद त्रासदी है कि जिस जाति के अस्तित्व को बचाने के लिये सरकार विशेष प्राधिकरण बनाकर प्रयास कर रही है वहीं अनिता की इतनी आसान मौत स्वीकारी जा रही है। इस समय पूरे देश में कुल जमा 7 आदिम जनजातियाँ हैं ओर उनमें से प्रदेश में 3 आदिम जनजातियाँ निवासरत हैं बैगा, भारिया तथा सहरिया । प्रदेश में रहने वाली बैगा जनजाति को राष्ट्रीय मानव का दर्जा भी दिया गया है। सरकार इनके हितों को विशेष रूप से संरक्षित करने का प्रयास कर रही है तथा यह चाहती है कि ये जातियाँ भी समाज की मुख्यधारा से जुडें। मुख्यधारा क्या है ? यह एक चिंतन का विषय है किन्तु गाहे–बगाहे प्रयास जारी हैं। बैगा जनजाति महाकौशल क्षेत्र मे निवास करती हैं और अपनी सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजने की साक्षी है। बैगा जाति में निरक्षरता आज भी 90–95 प्रतिशत् है। ऐसे में अनिता का नवीं तक पडना और कुछ बनने का सपना उस समय चूर हो गया, जबकि वह प्रसव के दौरान होने वाली मौत का शिकार हो गई। हाल ही में मंडला जिले की फूलसागर पंचायत के पडरिया ग्राम के सुझोरू टोला की अनिता भारती जो कि कक्षा नवीं तक पडी थीं, ने शासकीय तंत्र की लापरवाही का खामियाजा भुगता । अनिता को अभी डेड वर्ष पूर्व ही घुघरी से ब्याहकर लाया गया था । आप समझ सकते हैं कि जिन जातियों में पडाई – लिखाई के कोई मायने ना हों वहाँ अनिता के नवीं पास होने के मायने क्या रहे होंगे ? पति संतोष भी बारहवीं तक पडा था, परन्तु तब तक वह मजदूरी करता था, अभी तीन माह पूर्व ही वह संविदा शिक्षक के पद पर चयनित हुआ था। परिवार में अनिता की हर बात मानी जाती थी। अनिता जब पेट से हुई तो दादीसास, दल्लोबाई के ग्रामदाई (अप्रशिक्षित) होने के बावजूद अनिता ने सुरक्षा व शासकीय योजनाओं के कथित लाभ की दृष्टि से शासकीय चिकित्सालय में ही प्रसव कराना उचित समझा। आमतौर पर मिलने वाली पति की सहमति के अलावा घरवालों की सहमति मिली और दि. 19 अगस्त को अनिता को मंडला के जिला चिकित्सालय में भर्ती करा दिया गया।

शारीरिक रूव से स्वस्थ, सामान्य वजन, बडिया कद–काठी, सांवले वर्ण की अनिता को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराने के लिये उसके मायके से निजी वाहन (1500 रूपये) किया गया और तब तक वह सामान्य थी किन्तु जिला चिकित्सालय में भर्ती करने के उपरांत से ही अनिता की हालत बिग ?ने लगी। उसे हरदम झटके पडने लगे । भर्ती होने के बाद केवल एक बार ही डॉक्टर अनिता को देखकर गई थीं और उसके बाद तो नर्स ही काम चलातीं रहीं। हालत बिगडने पर संतोष व परिजनों ने चिकित्सक से संपर्क करना चाहा परन्तु चिकित्सक अस्पताले में होते तो मिलते। उस दिन शनिवार का दिन था और श्निवार के दिन हॉफ डे के नाम पर चिकित्सक नर्सों के हवाले मजमा छोडकर किनारे हो लेते हैं। चिकित्सक नहीं आईं और झटकों के सटीक ईलाज के नाम पर महड नमक–पानी का घोल यानि बोतल चडती रहीं। डयूटी नर्स ने एक ऐसा इंजेक्शन लिख कर दिया जो कि पूरे मंडला में कहीं भी नहीं मिला, इसके बाद विकल्प पर कोई भी विचार नहीं किया गया। कई बार मान–मनुहार करने पर भी जब चिकित्सक नहीं आये तो मरता क्या ना करता, संतोष ने उनके घर की राह पकडी परन्तु लगता है संवेदनायें पानी बन कर कह रही थीं और कोई उनमें बांध लगाने वाला न था। संतोष थक–हार कर वापस आ गया और डॉक्टर नहीं आईं। जागते–

सोते रात बीती और अनिता के झटके एक बार भी बंद नहीं हुये, एक बार निजी चिकित्सालय की ओर जाने के बारे में भी सोचा गया किन्तु मजबूरी अपना दामन नहीं छोडती और आर्थिक तंगी ने उन्हें वहीं रोके रखा। रविवार सुबह बेहोशी और झटके की हालत में अनिता ने एक मृत शिशु को जन्म दिया और पूरे परिवार की खुशियाँ तो काफूर हो गईं थीं किन्तु अनिता के बिगडते हाल ने सभी को चौकस किया। परिजनों ने पुनः मनौती शुरू की, किन्तु एक पुरूष चिकित्सक के अलावा कोई भी सामने ना आया। परिजन कहते हैं साहब ! उन्होंने भी आते ही नर्सों से अंग्रेजी में बात करना शुरू कर दिया और अनजानी सी सांत्वना देकर चले गये। हालत फिर खराब हुई और इस बार जब परिजन चिकित्सक को लाये तो चिकित्सयक ने अनिता के आंखें मींचने का काम कर दिया और पुनः आंग्ल भाषा के चिर–परिचित जुमले का इस्तेमाल किया आई एम सॉरी। असंवेदनशीलता का परचम यहाँ तक लहरा कि अनिता का पोस्टपार्टम करना भी उचित नहीं समझा गया और खानापूर्ति कर मुत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया जिसमें मुत्यु का कारण एक्लेम्पसिया बताया गया। अनिता के मरने के बाद उसे शव वाहन भी नहीं मिला और परिवार जनों ने 1600 रूपये में गाडी कर अनिता को घर लाया । इस पूरे प्रकरण में परिवार को योजनाओं का लाभ मिला 1700 रूपये और उसके परिवार के खर्च हो गये 3000 रूपये यानि नतीजा ठन–ठन गोपाल और अनिता की जान की कीमत लगाना, उसका मखौल उडाना है

गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले इस परिवार में पाने 5 एकड जमीन में 8 जन हैं। इस साल पानी भी कम गिरा है तो अभी से ही पेड–2 शुरू हो गया है । राशन दुकान गांव से 5 किलोमीटर दूर ग्वारी गांव में है जो कि माह में 2–3 दिवस ही खुलती है और पीला कार्ड होने पर भी आज तक इस परिवार को कभी पैंतीस किलो राशन ना मिला। गाँव में लगभग 70 परिवार है और जिनमें से 45 परिवार किसान (गोंड) तथा 30 परिवार बैगाओं के अलावा अन्य जातियाँ भी हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर गाँव से 3 कि.मीटर दूर फूलसागर का उपस्वास्थ्य केन्द्र ही है और जिसमें भी नर्स ही है और ज्यादा कुछ हो तो 16 कि.मीटर दूर मंडला जाओ। जबसे बरगी बांध बना है तब से चार महीने ठेल का पानी भी भरा रहता है और जिससे आने–जाने का रास्ता भी बंद रहता है तथा ज्यादा पानी गिर जाये तो एकमात्र विकल्प नदी उतरने का इंतजार करो । आंगनवाडी सिझौरू टोला से आधा कि.मी. दूर पडरिया टोला में है और कार्यकर्ता आती हैं फूलसागर से। मायने साफ हैं कि वह कब खुलती होगी और उससे क्या–क्या मिलता होगा ? हाँ, लेकिन अनिता ने पोषाहार भी लिया और उसे दो टीके भी लगे थे।

सवाल यहाँ केवल अनिता के मरने का नहीं है बल्कि यहाँ पर आदिम जनजातियों के महिला विकास का एक अध्याय समाप्त हो गया, क्योंकि यदि अनिता जीवित रहती तो वह ना केवल अपने घर के चिरागों को रोशन करती बल्कि स्वसमाज के लिये मिसाल बनकर अन्य महिलाओं के लिये संभावनाओं के द्वार खोलती। परन्तु यह चिराग बुझा दिया गया। यह बहुत ही सीधे अर्थों में राष्ट्रीय मानव की प्रायोजित मौत है और यह दुखद त्रासदी है कि जिस जाति के अस्तित्व को बचाने के लिये सरकार विशेष प्राधिकरण बनाकर प्रयास कर रही है वहीं अनिता की इतनी आसान मौत स्वीकारी जा रही है। इस समय पूरे देश में कुल जमा 7 आदिम जनजातियाँ हैं ओर उनमें से प्रदेश में 3 आदिम जनजातियाँ निवासरत हैं बैगा, भारिया तथा सहरिया । प्रदेश में रहने वाली बैगा जनजाति को राष्ट्रीय मानव का दर्जा भी दिया गया है। सरकार इनके हितों को विशेष रूप से संरक्षित करने का प्रयास कर रही है तथा यह चाहती है कि ये जातियाँ भी समाज की मुख्यधारा से जुडें। मुख्यधारा क्या है ? यह एक चिंतन का विषय है किन्तु गाहे–बगाहे प्रयास जारी हैं। बैगा जनजाति महाकौशल क्षेत्र मे निवास करती हैं और अपनी सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजने की साक्षी है। बैगा जाति में निरक्षरता आज भी 90–95 प्रतिशत् है। ऐसे में अनिता का नवीं तक पडना और कुछ बनने का सपना उस समय चूर हो गया, जबकि वह प्रसव के दौरान होने वाली मौत का शिकार हो गई।गाँव की दाई भल्लोबाई यानि अनिताबाई की दादीसास की कसक अब जिन्दगी भर के लिये हो गई है कि उन्होंने गांव की हर महिला की जचगी कराई, सभी को बचाया किन्तु अपनी बहू को ना बचा पाई। वे अपने पारंपरिक ज्ञान का बखान करते हुये कहती हैं कि हम जानते हैं कि जब झटके पडते हैं तब क्या किया जाना चाहिये ? चेहरे पर उभरी सिलवटें तब और जीवंत हो जाती हैं जब वे कहती हैं कि हम तो हाथ ?ालकर फूल भी बाहर निकाल लेते हैं। यह एक कला है जो पीडी–दर–पीडी सहेजी जाती है, पोसी जाती है और हस्तांतरित की जाती है। उसे मलाल है कि वह अपनी बहू को नहीं बचा पाई, उनका कहना है कि बदलते समय के साथ अब हम हंसिया छोड कर ब्लेड से ही नाल काटते हैं तथा साफ धागा भी बांधते हैं। भल्लोबाई बडे ही नाराजी के साथ कहती हैं कि पडाओ–लिखाओ तो यही होता हे कि अपनी चीज भी हाथ से जाती है और कुछ मिलता भी नहीं। विजयाराजे योजना के पचास हजार रूपयों पर वह नाराजी से कहतीं हैं कि क्या वे रूपये हमें हमारी अनिता वापस कर देंगे योजनाओं के इस प्रदेश में जहाँ जन्म के पूर्व से लेकर मृत्युपर्यन्त योजनाओं का अंबार है, एक राष्ट्रीय मानव की दुखद त्रासदी यह संकेत देती हैं कि शासन की मंशा और क्रियान्वयन में स्पष्ट अंतर है। अनिता के परिवार के पास दीनदयाल अन्त्यादेय उपचार योजना का कार्ड होना और उसके बाद भी उन्हें सामान्य दवायें भी बाजार से ले कर आना, योजनाओं पर प्रश्नचिन्ह की काली छाया देती है। वैसे भी योजनाओं की मृगमरीचिका अभी भी लोगों के पल्ले नहीं पड पाई हैं । शासन की इस अतिमहत्वाकांक्षी योजना को मं ?ला जिले के संदर्भ में देखें तो हम पाते हैं कि मं ?ला में 82044 परिवार पात्र हैं और अभी तक 76000 परिवारों को ही कार्ड वितरित हुये हैं, इसके मायने आज भी 6044 परिवार तो योजना में शामिल ही नहीं हो पाये है, जबकि योजना दो वर्ष पूर्व से संचालित है। और विगत् वर्ष (05–06) का बजट था 56,35,571 रूपये यानि प्रति परिवार 68.70 रूपया। और यही बजट घट कर चालू वित्त वर्ष (06–07) में 36,78,000 रूपये यानि प्रति परिवार 44.82 रूपया कर दिया गया तो सवाल यह है कि कहाँ हैं प्रति परिवार के 20,000 रूपये और उसमें से भी खर्च हुआ महज् 21 प्रतिशत् यानि मं ?ला के गरीब परिवार महड 12,28,468 रूपयों में ही स्वस्थ हो गये। विगत् वर्ष की तुलना में इस वर्ष 65 प्रतिशत तक बजट में कटौती की गई। मं ?ला में स्त्री एवं शिशु रोग विशेषज्ञों के क्रमशः 100 तथा 75 प्रतिशत् पद रिक्त पड हैं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि जिले में कुल जमा 466 बिस्तर हैं अर्थात् 2111 व्यक्तियों पर एक बिस्तर है। मंडला की मातृत्व मृत्यु दर (926 प्रति लाख) के हिसाब से यहाँ प्रतिवर्ष 250 महिलाओं की मौत हो जाती है जबकि प्रषासन इसे 60 मौतें करार देता है, इसी प्रकार वर्ष भर में यहाँ पर 2100 शिशु काल के गाल में समा जाते हैं।

इस साल पानी भी कम गिरा है तो अभी से ही पेड–2 शुरू हो गया है । राशन दुकान गांव से 5 किलोमीटर दूर ग्वारी गांव में है जो कि माह में 2–3 दिवस ही खुलती है और पीला कार्ड होने पर भी आज तक इस परिवार को कभी पैंतीस किलो राशन ना मिला। गाँव में लगभग 70 परिवार है और जिनमें से 45 परिवार किसान (गोंड) तथा 30 परिवार बैगाओं के अलावा अन्य जातियाँ भी हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर गाँव से 3 कि.मीटर दूर फूलसागर का उपस्वास्थ्य केन्द्र ही है और जिसमें भी नर्स ही है पूरा पडरिया गाँव अभी तक सकते में है और सभी के मन में एक ही चीज है और वह यह कि जचगी करायेंगे तो घर में ही क्योंकि शासकीय चिकित्सालयों में देखभाल नहीं होती, दुत्कारे जाते हैं और मारडाले जाते हैं। अब यह सरकार को तय करना है कि वह किस तरह से और किन प्रयासों को गति देना चाहती है ? जिस तरह से अनिता की मौत हुई, वह शासकीय प्रयासों की कलई तो खोलती है ओर आदिम जनजातियों के लिये चलाये जा रहे विशेष अभियानों की एक तस्वीर भी हमारे समक्ष रखती है। यह बहुत ही सीधे अर्थों में राष्ट्रीय मानव की प्रायोजित मौत है और यदि यही सिलसिला चलता रहा तो फिर ना ही अनिता जैसी बैगा महिलायें पडेंगी और ना ही शासकीय संस्थानों में प्रसव कराने की जिद ही करेंगी। सवाल यह भी है कि एक के बाद एक धडल्ले से जारी की जा रही योजनाओं के बीच सरकार अपने तंत्र को संवदनशील बनाने के लिये क्या प्रयास कर रही है ? पेज – एक तरल भोज्य पदार्थ जो कि 100 ग्राम मकई के आटे में 3–4 लिटर पानी ?ालकर बनाया जाता है और इसे सामान्यतः जंगली भाजी चरौंटा और चेंच के साथ खाया जाता है। यह महज आकस्मिक जरूयतों को पूरी कर सकता है लेकिन उससे पोषक तत्वों की उम्मीद करना बेमानी है।

मधुर भंडारकर की अगली फिल्म में दिखेंगे

पुलिसवाले के रोल में दिख सकते हैं शाहरुख खान

भंडारकर की अन्य फिल्मों की तरह यह फिल्म 'सिंबा' या सिंघम जैसी नहीं होगी बल्कि सीरियस फिल्म होगी

(संपूर्ण समाचार सेवा) मुंबई, पिछले काफी समय से ऐसी खबरें आ रही हैं कि शाहरुख खान ने राकेश शर्मा की बायॉपिक 'सारे जहां से अच्छा' छोड़ दी है। हालांकि फिल्म के राइटर ने इन खबरों ने इनकार किया है लेकिन फिर भी अभी तक इस बारे में कोई भी ऑफिशल कन्फर्मेशन नहीं आई है जिसके कारण लोगों का शक बढ़ता जा रहा है। अब खबर आ रही है कि शाहरुख खान पहली बार पुलिसवाले की भूमिका वाली फिल्म करने जा रहे हैं जिसे मंधुर भंडारकर बनाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस पर बेस्ड फिल्में अच्छा प्रदर्शन करती हैं। 'इंस्पेक्टर गालिब' एक ऐसे पुलिसवाले की कहानी है जो देशभर में होने वाले गैरकानूनी रेत खनन के लिए हथियार उठाता है और रेत माफिया से भिड़ जाता है। मधुर भंडारकर की अन्य फिल्मों की तरह यह फिल्म भी 'सिंबा' या सिंघम जैसी नहीं होगी बल्कि यह थोड़ी सीरियस फिल्म होगी। हालांकि इससे पहले शाहरुख फिल्म वन टू का फोर में भी पुलिसवाले की भूमिका कर चुके हैं। यह दिलचस्प बात है कि हाल में मुंबई पुलिस के लिए हुए उमंग फेस्टिवल में भी शाहरुख ने पुलिसवाले की भूमिका निभाने की इच्छा जाहिर की थी। शाहरुख ने कहा था कि उन्हें अपने करियर में कभी भी पुलिसवाले की भूमिका नहीं मिली है। इसके जवाब में रणबीर कपूर ने कहा था कि जब भी शाहरुख को पुलिसवाले का रोल मिलेगा तो वह उनके साथ कॉन्स्टेबल की भूमिका करना चाहेंगे। लगता है कि शाहरुख की इच्छा जल्द ही पूरी होने वाली है।

पहले म्युनिसिपल ऑफिस में ही वैक्सीन दी जाती थी

आधुनिक एसवीपी-एलजी में यलो फीवर वैक्सीन मिलेगी

(संपूर्ण समाचार सेवा) अहमदाबाद, अफ्रीकी देश में जाते लोगों के लिए अपनी यात्रा का प्रारंभ करने से पहले १० दिन पहले से यलो फीवर वैक्सीन लेना अनिवार्य है। अभी तक पैसेन्जर्स को म्युनिसिपल ऑफिस, दानापीठ में स्थित सेन्टर में यलो फीवर वैक्सीन लेने के लिए आना पड़ता था। हालांकि अब आगामी दिनों में यह सेंटर को बंद करके यलो फीवर वैक्सीन देने के काम सरदार वल्लभभाई पटेल (एसवीपी) और एलजी अस्पताल में शुरू किया जाएगा। यह निर्णय की वजह से अफ्रीकी देश में जाते यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। इस मामले में म्युनिसिपल अस्पताल कमिटी के चेयरमैन देवांग दाणी ने बताया कि, खमासा-दानापीठ में स्थित प्रशासन के अस्पताल में अफ्रीकी देश में जाते लोगों को यलो फीवर वैक्सीन दी जाती है। पूरे गुजरात में यलो फीवर वैक्सीन देने के गांधीनगर और अहमदाबाद यह दो ही सेंटर है। म्युनिसिपल मुख्यालय में स्थित यलो फीवर देने के सेंटर में पिछले ४० वर्ष से यह वैक्सीन दी जा रही है। हालांकि म्युनिसिपल मुख्यालय में पार्किंग की समस्या, पैसेन्जर्स की भीड़ आदि की वजह से कुछ ही दिनों में यह सेंटर को बंद करके इसे एसवीपी और एलजी अस्पताल में लाया जाएगा। यह दोनों अस्पताल में यलो फीवर अस्पताल के लिए पर्याप्त जगह है। वाहन पार्किंग की भी कोई समस्या नहीं है और इसकी अपेक्षा भी विशेष तो पूरा राज्य और शहर के लोगों को खमासा दानापीठ तक वैक्सीन लगाने के लिए आना पड़ता था इसके बदले में दो सेंटर शुरू करने से पूर्व अहमदाबाद के लोग एलजी और पश्चिम अहमदाबाद के लोग एसवीपी अस्पताल के सेन्टर का लाभ ले सकते हैं। यहां उल्लेखनीय है कि, म्युनिसिपल मुख्यालय में स्थित अस्पताल में हर सप्ताह में १५० पैसेन्जर यलो फीवर की वैक्सीन लगवाते हैं।

तमिल रॉकर्स कई बड़ी फिल्में लीक कर चुका है

ऑनलाइन लीक हो गई 'एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा'

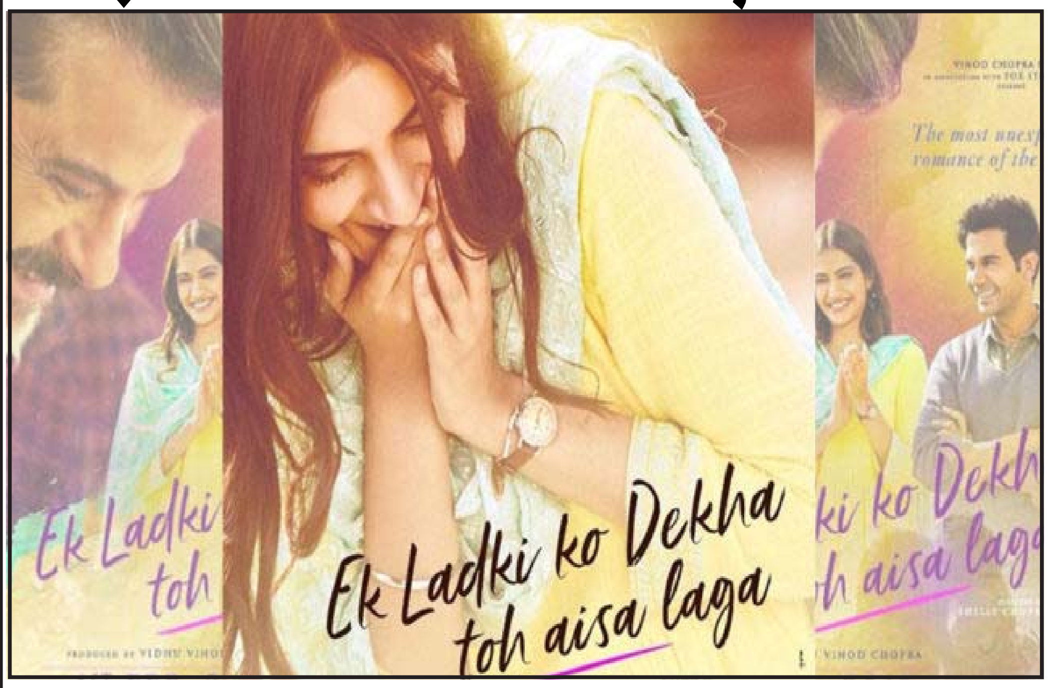

'मणिकर्णिका' के बाद इस हफ्ते रिलीज हुई 'एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा' भी ऑनलाइन लीक

(संपूर्ण समाचार सेवा) मुंबई, कई कोशिशों को बावजूद बॉलिवुड की बड़ी बजट की फिल्में ऑनलाइन लीक होने से बच नहीं पा रही हैं। 'मणिकर्णिका' के बाद अब इस हफ्ते रिलीज हुई फिल्म 'एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा' भी ऑनलाइन लीक हो गई है। इससे पहले पाइरेसी के लिए कुख्यात साइट तमिल रॉकर्स लगातार कई बड़ी फिल्में लीक कर चुका है। बता दें कि बीते दिनों मणिकर्णिका, उरी, द ऐक्सिडेंटल प्राइममिनिस्टर', 'जीरो', 'सिंबा' जैसी फिल्में ऑनलाइन लीक हो गई थीं। पाइरेसी के कारण फिल्ममेकर्स काफी चिंता में हैं।उरी के मेकर्स ने तो बाकायदा टॉरेंट पर खुद ही एक विडियो अपलोड किया था जिसे देखकर शुरुआत में तो लगता है कि आप फिल्म देख रहे हैं लेकिन बाद में स्टार्स कहते हैं कि आपको फिल्म देखनी है तो थिअटर में जाइए। अब अनिल कपूर और सोनम कपूर स्टारर फिल्म 'एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा भी लीक हो गई है।' इस फिल्म में अनिल और सोनम के अलावा राजकुमार राव और जूही चावला भी हैं। फिल्म थिअटर में अच्छा परफॉर्म कर रही है। फिल्म देखकर आने वाले दर्शक इसकी खूब तारीफ कर रहे हैं। ऐसे में फिल्म के लीक होने से मेकर्स को बड़ा नुकसान हो सकता है।

बीआरटीएस बस में यात्रा करते लोगों के लिए खुशी

BRTS बस में पैसेन्जर्स के लिए वाईफाई की सुविधा होंगी

कुछ ही दिनों में वाईफाई का निर्णय लागू : बीआरटीएस बस और संबंधित बस स्टेशन तक नेट कनेक्टिविटी

(संपूर्ण समाचार सेवा) अहमदाबाद, अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के स्मार्ट सिटी मिशन के तहत प्रशासन द्वारा आगामी दिनों में बीआरटीएस बस में यात्रा करने वाले पैसेन्जर्स को बस के अंदर निःशुल्क वाईफाई की सुविधा का लाभ दिया जाएगा। एएमसी प्रशासन के और एक राहत देने के निर्णय को लेकर बीआरटीएस बस में यात्रा करते पैसेन्जर्स में वाईफाई की सुविधा को लेकर खुशी की लहर फैल गई। शहरीजनों को एएमटीएस बाद हाल में बीआरटीएस बस सर्विस सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र का सिर्फ एक महत्वपूर्ण विकल्प है। बीआरटीएस बस सर्विस अपनी नियमितता, स्वच्छता और तेजी की वजह से शहरीजनों में लोकप्रिय बन गई है। एएमसी प्रशासन द्वारा बीआरटीएस बस सर्विस के पैसेन्जर्स को ज्यादा अच्छी सुविधा देने की दिशा में कवायद शुरू की गई है। बीआरटीएस पैसेन्जर्स को हाल में वाईफाई की सुविधा दी जा रही है, लेकिन आगामी दिनों में बीआरटीएस पैसेन्जर्स संबंधित बस स्टेशन से बस में एन्ट्री करे उस बस में वाईफाई की सुविधा मिल सके और संबंधित बस स्टेशन पर उतरने के बाद भी बस स्टेशन में भी इसकी सुविधा का लाभ प्राप्त कर सके इस प्रकार की नेट कनेक्टिविटी दी जाएगी। एएमसी प्रशासन द्वारा पैसेन्जर्स को बीआरटीएस बस में ही यात्रा के दौरान वाईफाई की सुविधा देने के लिए नीविदा जारी किया गया है। फिलहाल में बीआरटीएस के रोजाना १.६० लाख पैसेन्जर्स होने से इसमें कुल १६३ बस स्टेशन को जोड़ता १०१ किमी. का ऑपरेशनल एरिया है। बीआरटीएस रोजाना २५५ बस पैसेन्जर्स के लिए चला रही होने से प्रशासन को हररोज २१ लाख रुपये का मुनाफा होता है। हालांकि प्रशासन द्वारा जारी किए गए नीविदा में ३०० बस तथा कुछ ही दिनों में आनेवाली १०० इलेक्ट्रिक बस में वाईफाई की सुविधा देने की बात को शामिल किया गया है। हरएक बीआरटीएस बस में वाईफाई की सुविधा देने के लिए राउटर लगाया जाएगा। वाईफाई जनरेट होने की वजह से इस्तेमाल की गई बेन्डविथ के आधार पर इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

अहमदाबाद शहर के गोमतीपुर टोपी मिल में गुजरात सार्वजनिक वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा समूह निकाह का आयोजन किया गया। (संपूर्ण समाचार सेवा)

AMC के साथ हुए समाधान बाद मंदिर फिर बनेगा

पालडी : शिव मंदिर स्थानीय निवासी खुद के खर्च से बनाएंगे

मंदिर को नोटिस दिए बिना तोड़ देने वाले जिम्मेदार लोगों के विरूद्ध कार्रवाई करने की स्थानीय की मांग

(संपूर्ण समाचार सेवा) अहमदाबाद, शहर के पालडी क्षेत्र में वर्षों पुराने नर्मदेश्वर महादेव एएमसी प्रशासन पश्चिम जोन के शासकों द्वारा अचानक कोई भी नोटिस दिए बिना तोड़ देने से विवाद में आखिर स्थानीय निवासियों द्वारा धरना-उपवास और उग्र आंदोलन की चेतावनी बाद एएमसी प्रशासन के साथ समाधान की स्थिति बनी है। इसके अनुसार, स्थानीय निवासी पालडी का यह तोड़ा गया शिव मंदिर खुद के खर्च से बनाएंगे। हालांकि मंदिर को नोटिस दिए बिना तोड़ देने वाले जिम्मेदार लोगों के विरूद्ध कार्रवाई करने की स्थानीय निवासियों द्वारा मांग की गई है। पश्चिम जोन के शासकों द्वारा पालडी के शिव मंदिर को तोड़े जाने से स्थानीय निवासी नाराज हो जाने की वजह से प्रशासन ही मंदिर का फिर से निर्माण करे यह मांग की गई थी। इसके लिए मेयर को गत दिन आवेदन पत्र दिया गया, हालांकि इस मामले में हुए समाधान के आधार पर अब स्थानीय निवासी अपने खर्चे से शिव मंदिर को बनाएंगे। मंदिर को तोड़ने का काम किसके इशारे पर और किस अधिकारी के आदेश से किया गया यह मामला अभी तक स्पष्ट नहीं होने से विवाद जटिल बन गया है। स्थानीय निवासी पालडी का यह तोड़ा गया शिव मंदिर खुद के खर्च से बनाएंगे। हालांकि मंदिर को नोटिस दिए बिना तोड़ देने वाले जिम्मेदार लोगों के विरूद्ध कार्रवाई करने की स्थानीय निवासियों द्वारा मांग की गई है। पश्चिम जोन के शासकों द्वारा पालडी के शिव मंदिर को तोड़े जाने से स्थानीय निवासी नाराज हो जाने की वजह से प्रशासन ही मंदिर का फिर से निर्माण करे यह मांग की गई थी। इसके लिए मेयर को गत दिन आवेदन पत्र दिया गया, हालांकि इस मामले में हुए समाधान के आधार पर अब स्थानीय निवासी अपने खर्चे से शिव मंदिर को बनाएंगे।गत दिन शाम को स्थानीय विधायक राकेश शाह, कॉर्पोरेटर डॉ. सुजय मेहता, पूर्व कॉर्पोरेटर दीपक भट्ट, स्थानीय सीनियर रोहित शहा, जिगर उपाध्याय और जनकसिंह परमार आदि ने मेयर बीजलबहन पटेल से मिलकर म्युनिसिपल प्रशासन नर्मदेश्वर मंदिर को फिर से बना देने की कार्रवाई करे ऐसी मांग की, हालांकि यह मामला कानूनी तौर पर संभव नहीं होने से मेयर के साथ बैठक के आखिर में स्थानीय निवासियों ने अपने खर्च से मंदिर को फिर से बनाने की तैयारी बताई है। इस मामले में पूर्व कॉर्पोरेटर दीपक भट्ट से पूछे जाने पर वह बताते है, पहले तो तोड़े गये मंदिर का मलबा वहां से हटाकर पूरे परिसर को साफ किया जाएगा। इसके बाद शेषनाग, त्रिशूल सहित की मंदिर संलग्न पवित्र वस्तुओं को डिमोलिशन के दौरान नुकसान हुआ है, इसकी प्राणप्रतिष्ठा करने सहित के आयोजन करने के लिए कवायद शुरू की जाएगी।

अहमदाबाद शहर के प्रेमदरवाजा कालुपूर रोड पर एएमसी द्वारा काम शुरू किया गया। जिसकी वजह से ट्राफिक की समस्या खड़ी हो रही है। हालांकि वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। (संपूर्ण समाचार सेवा)

अहमदाबाद शहर के आश्रमरोड गांधीग्राम रेलवे स्टेशन के पास इमारत के छत पर रेस्टोरेन्ट में आग लगने से भगदड़ मच गई। (संपूर्ण समाचार सेवा)

संघ के प्रमुख मोहन भागवत गुजरात यूनिवर्सिटी सिनेट हॉल में कार्यक्रम के तहत पहुंचे। (संपूर्ण समाचार सेवा)

स्वाइन फ्लू का आतंक

(संपूर्ण समाचार सेवा)अहमदाबाद, गुजरात में स्वाइन फ्लू का आतंक बढ़ रहा है। हररोज नये -नये लोग स्वाइन फ्लू के शिकजे में आ रहे है। शनिवार को चार और लोगों की मौत से खलबली मच गई। नए वर्ष में स्वाइन फ्लू का चित्र नीचे के अनुसार है।

स्वाइन फ्लू के कुल केस .... ७३८ से ज्यादा
स्वाइन फ्लू से मौत .... ३८ से ज्यादा
स्वाइन फ्लू से मौत .... ३८ से ज्यादा
उपचार के तहत लोग... २९० से ज्यादा

सीमांचल एक्सप्रेस की ११ बोगियां पटरी से उतरीं

बिहार में रेल हादसा : ७ यात्रियों की मौत हो गई

दुर्घटना हाजीपुर-बछवाड़ा रेल सेक्शन के बीच सहदोई स्टेशन के पास हुई : डिब्बे एक के ऊपर एक चढ़ गए

(संपूर्ण समाचार सेवा)
पटना, ३ फरवरी।

बिहार के हाजीपुर में रविवार तड़के बड़ा रेल हादसा हुआ है, जहां आनंद विहार-राधिकापुर सीमांचल एक्सप्रेस की ११ बोगियां पटरी से उतर गईं। हादसे में ७ यात्रियों की मौत हो गई, जबकि कई यात्री घायल हो गए है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि संभवतः यह हादसा पटरी टूटी होने की वजह से हुआ। बताया जा रहा है कि यह दुर्घटना हाजीपुर-बछवाड़ा रेल सेक्शन के बीच सहदोई स्टेशन के पास हुई। हादसे की भयावहता इसी से समझी जा सकती है कि डिब्बे एक के ऊपर एक चढ़ गए। सोनपुर डिविजन से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, जोगबनी से नई दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल जा रही सीमांचल एक्सप्रेस ने रविवार तड़के ३ बजकर ५२ मिनट पर मेहनार रोड क्रॉस किया और लगभग ४ बजे सहदोई बुजुर्ग के पास इसकी बोगियां पटरी से उतर गईं। तीन स्लीपर (एस८, एस९, एस१०) और एक एसी (बी३) कोच समेत ११ बोगियां पटरी से उतर गईं और एक के ऊपर एक डिब्बे चढ़ते चले गए। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। रेलवे मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि ११ बोगियों के उतरने के हादसे की खबर के साथ ही राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। ईस्ट सेंट्रल रेलवे (ईसीआर) के जनरल मैनेजर एलसी त्रिवेदी ने इस हादसे में ७ लोगों की मौत की पुष्टि की है। अडिशनल डायरेक्टर जनरल (पीआर रेलवे) स्मिता वत्स शर्मा ने कहा, हमारी प्राथमिकता इस वक्त बचाव ऑपरेशन पर है। एनडीआरएफ की दो टीम घटनास्थल पर मौजूद है। रेलवे मेडिकल वैन और डॉक्टरों की टीम को भी घटनास्थल पर भेजा गया है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दुख जताया

मृतकों के परिजनों को ५ लाख दिए जाएंगे

(संपूर्ण समाचार सेवा) पटना,

इस रेल हादसे पर रेलवे ने मुआवजे का ऐलान कर दिया है। मृतकों के परिजनों को ५ लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों को एक लाख रुपये और मामूली रूप से जख्मी को ५० हजार रुपये मुआवजे दिए जाएंगे। साथ ही सभी मेडिकल खर्च रेलवे वहन करेगा। वहीं, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रेल हादसे पर दुख जताया है और उन्होंने संबंधित अधिकारियों को दुर्घटना में घायल हुए लोगों को हरसंभव मदद पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। सोनपुर और बरौनी से डॉक्टरों की एक टीम को फौरन वहां भेजा गया, साथ ही बचाव कार्य भी शुरू कर दिया गया है। साथ ही बचाव सामग्री के साथ संबंधित प्रशासनिक अमला व प्रबंधन मौके पर पहुंचा है। हादसे में कई यात्री बुरी तरह घायल हुए हैं तो वहीं कुछ को मामूली चोटें आई हैं। हादसे का कारण फिलहाल पता नहीं चल सका और अंधेरे के चलते बचाव कार्य में भी देरी हुई।

रायडू की शानदार बल्लेबाजी

(संपूर्ण समाचार सेवा) नई दिल्ली,

भारत ने अपने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर रविवार को यहां वेस्टपैक स्टेडियम में खेले गए सीरीज के ५वें और आखिरी वनडे मैच में न्यू जीलैंड को ३५ रनों से हरा दिया। मैच में ९० रन की शानदार पारी खेलने वाले अंबाती रायडू को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। रायडू की पारी नीचे के अनुसार हैं।

रन ९०
गैंद ११३
मिनट १५०
चौके ०८
छक्के ०४
स्ट्राइक रेट ७९.६४

फोन से ही ममता सरकार पर बरसे योगी

पश्चिम बंगाल में दिख रहा हैं तांडव : युपी सीएम

(संपूर्ण समाचार सेवा) कोलकाता,

पश्चिम बंगाल के बालुरघाट में रैली की इजाजत न मिलने के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फोन पर अपना संबोधन दिया। अपने भाषण की शुरुआत ही उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना के साथ की। उन्होंने कहा कि उन्हें रैली की इजाजत नहीं दी गई, इसलिए पीएम नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया के जरिए आना पड़ा। योगी आदित्यनाथ ने ममता बनर्जी सरकार और तृणमूल कांग्रेस को लोकतंत्र विरोधी बताया और लोगों से सरकार के खिलाफ लड़ने का आह्वान किया। यूपी सीएम ने कहा, जनता विरोधी, जनतंत्र विरोधी, अराजकता को बढ़ावा देने वाली और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले तत्वों को बढ़ावा देने वाली सरकार बीजेपी से घबरा गई है। इसीलिए पहले बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह की रथ यात्रा को रोका और अब मुझे रोक रहे हैं। लोकतंत्र में आपसी मतभेद हो सकते हैं लेकिन आवाज को कैसे दबाया जाता है और कैसे सरेआम चुनाव लड़ने वाले विरोधी दल के कार्यकर्ताओं को कैसे बंधक बनाया जाता है, निर्मम हत्या की जाती है, यह तांडव टीएमसी सरकार में पश्चिम बंगाल में लगातार दिख रहा है।

जारी हेल्पलाइन नंबर

(संपूर्ण समाचार सेवा) पटना,

रेलवे ने हादसे को लेकर संबधित जानकारी देने के लिए ये नंबर जारी किए हैं।

सोनपुर- ०६१५८२२१६४५
हाजीपुर- ०६२२४२७२२३०
बरौनी- ०६२७९२३२२२
पटना- ०६१२२२०२२९०, ०६१२२२०२२९१, ०६१२२२०२२९२, ०६१२२२१३२३४.

अंबाती रायडू को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार

भारत ने न्यूजीलैंड को ३५ रन से हराया, सीरीज ४-१ से जीती

भारत ने २५२ रन बनाए : मेजबान न्यूजीलैंड को भारत के गेंदबाजो ने ४४.१ ओवर में २१७ रन पर समेट दिया

(संपूर्ण समाचार सेवा) नई दिल्ली,

भारत ने अपने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर रविवार को यहां वेस्टपैक स्टेडियम में खेले गए सीरीज के ५वें और आखिरी वनडे मैच में न्यू जीलैंड को ३५ रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ ही भारत ने ४-१ से सीरीज अपने नाम कर ली। यह चौथी बार है जब न्यू जीलैंड को अपने घर में द्विपक्षीय सीरीज गंवानी पड़ी है। भारत ने चौथे वनडे की शर्मनाक हार से उबरते हुए यहां शानदार वापसी की। उसने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ४९.५ ओवर में २५२ रन का स्कोर बनाया और फिर मेजबान न्यूजीलैंड की टीम को ४४.१ ओवर में २१७ रन पर समेट दिया। भारत से मिले २५३ रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यू जीलैंड की टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाने के चलते इस लक्ष्य से दूर रह गई। उनके लिए जेम्स नीशम ने सर्वाधिक ४४ रन बनाए। उन्होंने ३२ गेंदों की पारी में ४ चौके और २ छक्के लगाए। नीशम के अलावा कप्तान केन विलियमसन ने ३९, टॉम लेथम ने ३७, कोलिन मुनरो ने २४, मिशेल सेंटनर ने २२, मैट हेनरी ने नाबाद १७, कोलिन डी ग्रैंडहोम ने ११, टॉड एस्ले ने १०, हेनरी निकोलस ने ८ और रॉस टेलर तथा ट्रेंट बाउल्ट ने १-१ रन का योगदान दिया। भारत की ओर से युजवेंद्र चहल ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए ४१ रन देकर सर्वाधिक ३ विकेट चटकाए। उनके अलावा हार्दिक पांड्या और मोहम्मद शमी ने २-२ जबकि केदार जाधव और भुवनेश्वर कुमार ने १-१ विकेट अपने नाम किए। मैच में ९० रन की शानदार पारी खेलने वाले अंबाती रायडू को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। वहीं, सीरीज में कुल ९ विकेट झटकने वाले भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार प्रदान किया गया। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे रायडू ने वनडे करियर का १०वां अर्धशतक पूरा किया। हालांकि वह शतक से चूक गए और ९० के निजी स्कोर पर कैच आउट हो गए। उन्होंने ११३ गेंदों पर ८ चौके और ४ छक्के लगाए। युजवेंद्र चहल ने मैच में ४१ रन देकर ३ विकेट झटके। हार्दिक पंड्या और मोहम्मद शमी को २-२ विकेट मिले। भुवनेश्वर कुमार और केदार जाधव ने १-१ विकेट लिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और उसके ४ विकेट मात्र १८ रन पर गिर गए। कप्तानी संभाल रहे रोहित शर्मा (२) को पांचवें ओवर की पहली गेंद पर मैट हेनरी ने बोल्ड किया। इसके बाद शिखर धवन (६) अगले ही ओवर में ट्रेंट बोल्ट का शिकार बने। हेनरी ने फिर शुभमन गिल (७) को मिशेल सैंटनर के हाथों कैच कराया। एमएस धोनी से काफी उम्मीदें थीं लेकिन उन्हें बोल्ट ने पारी के १०वें ओवर की तीसरी गेंद पर बोल्ड कर पविलियन की राह दिखा दी। वह केवल १ रन ही बना सके। ४ विकेट गिरने के बाद विजय शंकर और अंबाती रायुडू ने टीम को संभाला। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए ९८ रन जोड़े। विजय शंकर तालमेल की कमी के कारण रन आउट हो गए। उन्होंने ६४ गेंदों पर ४ चौके लगाए। फिर रायुडू ने केदार जाधव (३४) के साथ छठे विकेट के लिए ७४ रन की पार्टनरशिप की। रायुडू छठे विकेट के रूप में पविलियन लौटे। जाधव को मैट हेनरी ने बोल्ड किया। उन्होंने ४५ गेंदों पर ३ चौके लगाए। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या एक बार फिर अपनी फॉर्म में दिखे और उन्होंने ताबड़तोड़ अंदाज में खेलते हुए ४५ रन का योगदान दिया। भारतीय टीम में इस मैच के लिए ३ बदलाव किए गए। मोहम्मद शमी, महेंद्र सिंह धोनी और विजय शंकर की वापसी हुई जबकि खलील, कुलदीप और दिनेश कार्तिक को आराम दिया गया।

आरोपी महिला की ७ फरवरी तक की रिमांड मंजूर

मानव तस्करी के घोटाले में महिला दलाल माया गिरफ्तार

माया ने प्रकाश मराठी सहित के आरोपियों की गैंग के द्वारा इस प्रकार से कई युवतियों को बेची थी

(संपूर्ण समाचार सेवा) अहमदाबाद,

अहमदाबाद शहर से ईसनपुर पुलिस ने मानव तस्करी का बड़ा घोटाला पकड़ा है। कागडापीठ क्षेत्र से अपहरण की गई और बाद में अलग-अलग व्यक्तियों को बेची गई किशोरी पांच वर्ष बाद पुलिस के हाथ लगी है। यह संवेदनशील घोटाले में पुलिस ने मुख्य महिला आरोपी दलाल माया की गिरफ्तारी की है। पुलिस ने आरोपी महिला दलाल माया को कोर्ट में पेश करने पर कोर्ट ७ फरवरी तक आरोपी महिला दलाल माया की रिमांड को मंजूर किया। पुलिस जांच में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई थी कि, महिला दलाल माया ने अपने साथी प्रकाश मराठी, बाबू सहित के आरोपियों की मदद से कागडापीठ क्षेत्र की एक युवती को तीन लाख में बेच दी गई थी और पैसे लेकर इसके दो से तीन लोगों के साथ बाहर ही शादी करा दी गई। इतना ही नहीं, आरोपियों द्वारा अपहृत युवती को मानसिक टोर्चर भी किया जाता था। इतना ही नहीं इसे नोनवेज, शराब-सिगरेट पीने के लिए मजबूर करायी जाती थी। पुलिस ने शुरू की जांच में आरोपी महिला दलाल माया ने अपनी गैंग की मदद से अन्य युवतियों को इसी प्रकार से बेच देने की चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है, जिसे लेकर अब पुलिस ने मानव तस्करी के घोटाले में गहन जांच शुरू कर दी है। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, वर्ष २०१४ में कागडापीठ क्षेत्र में टयुशन में गई किशोरी वापस नहीं आने से इसके पिता ने पुलिस शिकायत दर्ज कराई थी। कागडपीठ पुलिस ने दो वर्ष जांच करने के बावजूज भी किशोरी की कोई जानकारी नहीं मिली। इसी वजह से किशोरी के पिता ने यह केस की जांच अन्य एजेंसी को सौंपने की अर्जी की थी। हाईकोर्ट ने सीआईडी क्राइम को जांच सौंपी थी। इसे भी दो वर्ष तक कुछ हाथ नहीं लगा। इस दौरान किशोरी के पिता ने सीआईडी क्राइम को कई मुद्दे दिए थे कि उनकी बेटी की मानव तस्करी हुई है, इसके लिए इसके साथ गई इसकी सहेली की जांच करनी चाहिए। इसके बावजूद भी सीआईडी क्राइम ने यह मुद्दे पर जांच नहीं की।

इस वर्ष में ७३८ से भी ज्यादा केस सामने आए

गुजरात में स्वाइन फ्लू का आतंक : ३८ लोगों की मौत

(संपूर्ण समाचार सेवा) अहमदाबाद,

गुजरात में स्वाइन फ्लू का आतंक बढ़ रहा है। हररोज नये -नये लोग स्वाइन फ्लू के शिकजे में आ रहे है। शनिवार को चार और लोगों की मौत से खलबली मच गई। एक ही दिन में चार लोगों की मौत अलग-अलग जगह पर हुई है। इसके साथ ही नए वर्ष में राज्य में स्वाइन फ्लू की वजह से मौत का आंकड़ा बढ़कर ३८ पर पहुंच गया। आधिकारिक रूप से यह आंकड़ा रहा है लेकिन अनौपचारिक तरीके से यह आंकड़ा ज्यादा हो सकता है। स्वाइन फ्लू से ग्रस्त क्षेत्रों में वडोदरा महानगरपालिका, राजकोट और राजकोट महानगरपालिका, अहमदाबाद महानगरपालिका, बनासकांठा, गांधीनगर, साबरकांठा, वडोदरा में भी नए -नए केस सामने आ रहे है। शनिवार को चार और लोगों की मौत हो गई। १ जनवरी बाद से अभी तक स्वाइन फ्लू कुल ७४० से ज्यादा केस सामने आए। २९० से ज्यादा मरीज उपचार के तहत हैं। जिनको अलग -अलग जगहों पर उपचार किया जा रहा है। स्वाइन फ्लू की महामारी को रोकने के लिए सभी महानगरपालिका में आक्रामक कदम उठाये जा रहे हैं। अहमदाबाद महानगरपालिका में गत दिन १७, वडोदरा में १, कच्छ और भावनगर क्षेत्र में ४-४, राजकोट और गीरसोमनाथ में २-२, सूरत महानगरपालिका, बनासकांठा, गांधीनगर, साबरकांठा, वडोदरा, आणंद और गांधीनगर में नए केस दर्ज किए गए। वडोदरा और अहमदाबाद में स्वाइन फ्लू का आतंक ज्यादा दिखाई दे रहा है। गत दिन वडोदरा में दो लोगों की मौत हुई थी। यह दोनों लोग उपचार के तहत थे। महिला मरीज की देर रात को और युवक की लेट से मौत हुई थी। स्वाइन फ्लू से बचने के लिए प्रशासन द्वारा अलग व्यवस्था अहमदाबाद सहित के महानगरपालिका क्षेत्र में अलग-अलग अस्पताल में की गई है। गत वर्ष में स्वाइन फ्लू की बड़ी संख्या में केस दर्ज किए गए। प्रशासन द्वारा आंकड़ा भी जारी किया गया। देश के स्वाइन फ्लू ग्रस्त सबसे ज्यादा आंकड़े वाले राज्यों में गुजरात भी शामिल रहा। राजस्थान सहित के राज्यों में स्वाइन फ्लू के केस सामने आ चुके हैं। अहमदाबाद और राजकोट, वडोदरा और सूरत में स्वाइन फ्लू ग्रस्त लोगों को विशेष और सभी प्रकार के उपचार किए जा रहे हैं।

विसावदर जेतलवड गांव की घटना

मां ने चार संतानों के साथ ही कुंए में छलांग लगाई

घर कलह से परेशान हुई मां ने संतानों के साथ ७० फीट गहरे कुंए में कूद गई : मां, दो पुत्री, एक पुत्र की मौत

(संपूर्ण समाचार सेवा) अहमदाबाद

जूनागढ़ जिले की विसावदर के जेतलवड गांव में चारण परिवार की महिला जीवूबहन कालूभाई विरम ने अपनी दो पुत्री जानवी और हेत्वी दो पुत्र करण और राजू के साथ ७० फीट गहरे कुंए में छलांग लगाई। जिसमें मां जीवूबहन, जानवी और हेत्वी और करण की मौत हो गई थी। जबकि सात वर्ष के राजू को बचा लिया गया है। इसके उपचार के लिए जूनागढ़ अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की वजह से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई, मां और संतानों की मौत समाचार मिलने से स्थानीय निवासियों में शोक की लहर फैल गई घटना की वजह से विसावदर पुलिस का काफिला भी घटना स्थल पर पहुंच गई पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई और पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी। पुलिस की प्राथमिक जांच में, मां ने हररोज के घर की कलह से परेशान होकर अपने चार संतानों के साथ कुंए में छलांग लगा देने की जानकारी सामने आई थी। हालांकि. फिर भी पुलिस ने घटना के पीछे असली वजह से जानने की दिशा में जांच शुरू कर दी। मां ने अपने चार संतानों के साथ जेतलवड से लालपुर के रास्ते पर ७० फीट गहरे कुंए में कूदकर आत्महत्या कर ली। यह घटना की जानकारी मिलने पर १०८ और पुलिस तथा विधायक सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण निवासी पहुंच गये। घटना की वजह से स्थानीय निवासियों में शोक की लहर फैल गई। पुलिस की प्राथमिक जांच में, घर की कलह से ऐसा कदम उठाया गया है यह सामने आया है। मां जीवूबहन ने पहले अपने दो पुत्रों और दो पुत्री को फेंककर बाद में खुद कुंए में छलांग लगा दी। जिसमें मां जीवूबहन, दो पुत्री जानवी और हेत्वी तथा पुत्र और करण की इस तरह कुल चार लोगों की मौत हो गई थी। घटना की जानकारी मिलने पर विसावदर पुलिस का काफिला तुरंत घटना स्थल पर पहुंच गया और गोताखोरों की मदद से मां और संतानों को बाहर निकाला गया और जबकि सात वर्ष के राजू को बचा लिया गया है। इसके उपचार के लिए जूनागढ़ अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विसावदर पुलिस ने मां पर ३०२ का अपराध दर्ज करके परिजनों का बयान लेना शुरू किया गया।

RNI No. GUJHIN/2011/39228 Printed, Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004 and Published from TF-01, Nanakram Super Market,Ramnager,Sabarmati, Ahmedabad - 380 005.Editor : MANOJKUMAR CHAMPKLAL SHAH